देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 191 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
बदलते समीकरण

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 31 अक्टूबर 2020

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 14.0°

37244.59 | 2 तुर्की और फ्रांस के बीच बढ़ा तनाव | 7 हमारी सारी योजनाएं सफल रहीं: धौनी

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने केशुभाई पटेल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार जनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि श्री केशुभाई पटेल का निधन एक अपूरणीय क्षति है, वह एक उत्कृष्ट नेता थे जिन्हें समाज के हर वर्ग की चिन्ता थी। गुजरात की प्रगति के साथ ही भाजपा को मजबूत करने एवं किसानों के कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने कार्यों व व्यवहार से केशुभाई सदैव हमारी स्मृति में रहेंगे।

महाराष्ट्र के लिए बड़ी राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुबंई। अब तक किसी भी राज्य ने साप्ताहिक आधार पर कोरोना के एवरेज डेली केसों के मामले में महाराष्ट्र को नहीं पछाड़ पाया था। आंध्र प्रदेश जरूर अगस्त के पहले सप्ताह में महाराष्ट्र के नजदीक पहुंचा था लेकिन उसे पछाड़ नहीं पाया था। अब केरल के नाम यह अनचाहा रेकॉर्ड बना है। अब यह दक्षिणी राज्य साप्ताहिक आधार पर एवरेज डेली केस के मामले में महाराष्ट्र को पछाड़कर पहले नंबर पर पहुंच गया है।

केंद्र का राज्यों को निर्देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामले 81 लाख के पास पहुंचे चुके हैं। केंद्र सरकार ने राज्यों को कोविड-19 के टीकाकरण के कामकाज को देखने और समन्वय करने के लिए समिति गठित करने को कहा है। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा है कि सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका कम से कम असर पड़े। केंद्र ने कहा कि सोशल मीडिया पर शुरुआत से ही नजर रखी जाए ताकि उन अफवाहों पर लगाम लगाई जा सके जिसका असर समुदाय में टीके की स्वीकार्यता पर पड़ सकता है।

आपदा पीड़ितों के प्रति गंभीर नहीं

पूर्व सीएम हरीश रावत ने प्रदेश सरकार पर साधा निशाना

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह आपदा पीड़ितों के हितों के लिए गंभीर नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में पत्रकारों से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि बिना विस्थापन के पिथौरागढ़ के इन आपदा से प्रभावित गांवों के लोगों को भगवान भरोसे छोड़कर अपने गांवों में जाने के लिए कहा गया है और इसके लिए शासनादेश भी निकाला गया है जिसके अंतर्गत आज तक की तिथि दी गई है। उन्होंने कहा कि जहां यह प्रभावित लोग रह रहे थे पहले वहां पर बेहतर सुविधायें प्रदान की जाती लेकिन आज तक वहां पर किसी भी प्रकार की कोई सुविधायें नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार

प्रभावितों को भगवान भरोसे छोड़ दिया

ने इन लोगों को भविष्य के लिए भगवान भरोसे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि तरला जौहर, मल्ला जौहर, चौगास सहित अन्य गांवों में बरसात के समय भंयद आपदा लक्ष्यगत तरीके से आई और पूरे गांव को अपनी चपेट में ले लिया और केवल एक ही मकान बचा है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया गया ओर आश्वासन दिया गया और प्रदेश सरकार से अनुरोध किया गया कि वह वहां का दौरा करें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री त्रिवेद्र सिंह रावत आपदा प्रभावित क्षेत्रों में गये लेकिन वहां के लोगों के दिलों पर किसी भी प्रकार का राज करने में पूरी तरह से विफल

रहे और वहां पर प्रभावित लोगों के लिए किसी भी प्रकार की कोई घोषणा नहीं की और वहां के लोगों के लिए राज्य सरकार के पास कोई नीति नहीं है और इस आपदा से लगभग डेढ हजार लोग प्रभावित हुए है। टांगा, धापा व मौरी के पूरे गांव के लोग आज तक टैंट में रहे और सरकार के आदेश के बाद अपने गांवों में बिना किसी सुविधा के कैसे रहेंगें यह एक विचारणीय प्रश्न है।

उन्होंने कहा कि सर्दी के मौके पर आज भी खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने के लिए विवश है। उन्होंने कहा कि आज तक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में राज्य सरकार ने किसी भी प्रकार की कोई मदद नहीं पहुंचाई है। इस अवसर पर वार्ता में विधायक हरीश धामी, महेन्द्र सिंह माहरा, सुरेन्द्र कुमार, गरिमा दसौनी माहरा, सुमित्तर भुल्लर, प्रभुलाल बहुगुणा, मनोज आदि शामिल थे।

कोई मदद नहीं पहुंचाई

सर्दी के मौके पर आज भी खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने के लिए विवश है। आज तक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में राज्य सरकार ने किसी भी प्रकार की कोई मदद नहीं पहुंचाई है।

& gjh'k jkor] dkx:l

बार-बार एक ही संप्रदाय आग क्यों लगाता है: रामदेव

सरकार इस तरह के मजहबी उन्मादियों को इकट्ठा होने की अनुमति नहीं दे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भोपाल के इकबाल मैदान में मुसलमानों की रैली से देश का बड़ा वर्ग आक्रोशित है। लोगों सवाल पूछ रहे हैं कि जब भारत ने फ्रांस का खुलकर समर्थन किया है तो एक संप्रदाय उसका विरोध कर क्या संदेश देना चाहता है? इस बीच योग गुरु बाबा रामदेव ने भी फ्रांस के राष्ट्रपति के खिलाफ भारत में एक समुदाय के प्रदर्शन को काफी दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। एक प्राइवेट न्यूज चौनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे जलसे और जुलूस की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

बाबा रामदेव ने देश के मुसलमानों के रवैये पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, बार-बार एक ही संप्रदाय के लोग आकर क्यों आग लगाने लग जाते हैं? फिर हिंदू भी सोचेंगे कि आग ही लगाओ। आप अपनी मान्यता पर

पूरी दुनिया में फैलाई जा रही है विनाशकारी सोच

रामदेव ने कहा कि एक बहुत बड़ी डिस्ट्रैक्टिव सोच पूरी दुनिया में फैलाई जा रही है। दुनिया में सबसे खतरनाक काम यह है कि कुछ लोग कहते हैं कि इस्लाम कबूल करनो वरना कत्ल कर देंगे। कुछ लोग कहते हैं कि इसाइयत कबूल कर लो, वरना जन्नत में नहीं जाओगे। फिर कुछ लोग कहते हैं कि हिंदू धर्म कबूल कर लो नहीं तो मोक्ष नहीं मिलेगी, उद्धार नहीं होगा। फिर ऐसे ही दूसरे-तीसरे और आ जाते हैं।

विश्वास रखो, लेकिन पूरी दुनिया पर तो नहीं थोप सकते। स्वयं के प्रति दृढता रखो और दूसरों के प्रति उदारता रखो। स्वधर्म निष्ठा, परधर्म सहिष्णुता रखो। रामदेव ने कहा कि ध्रुवीकरण की घृणित राजनीति खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ये जो पोलराइजेशन की पॉलिटिक्स है, ये जो पोलराइजेशन के नाम पर मजहबी जमात इकट्ठा की जाती है, यह बंद होना चाहिए। यह ध्रुवीकरण का पूरा का पूरा घृणित अजेंडा है। इस पर लगाम लगाना होगा। रामदेव ने न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि इसी तरह के मजहबी उन्मादों के कारण ही दुनिया में युद्ध हुए हैं। उन्होंने कहा, आज तक दुनिया में जितने भी युद्ध हुए हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण मजहबी उन्माद है, मजहबी फसाद है। योग गुरु ने कहा कि इंसान की गर्दन काट दी जाती है, कत्ल कर दिए जाते हैं, इस बात के लिए कि हमारे किसी पुरखे का कार्टून क्यों बना दिया?

विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा केवड़िया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

उद्घाटन

■पीएम ने केवडिया में सरदार पटेल प्राणी उद्यान का किया दौरा

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उद्घाटन करने के बाद केवडिया में सरदार पटेल प्राणी उद्यान का दौरा किया। इससे पहले पीएम मोदी ने नर्मदा जिले के केवडिया पहुंचकर आरोग्य वन के बाद एकता मॉल और चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्क का लोकार्पण किया और न्यूट्री ट्रेन की सवारी भी की। चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्क बच्चों को पोषण संबंधी जानकारी खेल व खिलौनों के जरिए देने के लिए 35000 वर्ग मीटर में बनाया गया है, इस पार्क में बच्चों के घूमने के लिए न्यूट्री ट्रेन भी है।

पीएम मोदी ने केवडिया में आरोग्य वन में स्थित आरोग्य कुटीर का भी भ्रमण किया। आरोग्य वन में 380 प्रजाति के पेड़ हैं। इसमें सैकड़ों औषधीय पौधे और जड़ी-बूटियां हैं। यहां उनके उपयोग और महत्व के बारे में भी जानकारी उपलब्ध है। आरोग्य वन 17 हेक्टेयर में फैला हुआ है। योग व आयुर्वेद को ध्यान में रखते हुए इसका विकास किया गया। नर्मदा जिले की केवड़िया कॉलोनी को एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी के एक 100 किलो मीटर के रेडियस में राज्य सरकार 1000 करोड़ रुपए खर्च कर करीब 2 दर्जन से अधिक प्रोजेक्ट को पूरा करेगी जिसमें 400 मकानों का एक आदर्श गांव भी शामिल है। शाम को प्रधानमंत्री मोदी जंगल सफारी का उद्घाटन करेंगे। यह जंगल सफारी 375 एकड़ में फैला होगा जिसमें 1100 प्रजाति के पक्षी तथा 100 से अधिक प्रजाति के जंगली पशु रखे जाएंगे। गुजरात पहुंचते ही सबसे पहले वह पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के गांधीनगर स्थित आवास पर गए थे और उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने महेश और नरेश कनोडिया के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की थी जिनका हाल ही में निधन हुआ है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

चीन की नापाक साजिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सर्दियों में भी पूर्वी लद्दाख से सेना पीछे नहीं हटाने की तैयारी !

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनाव जारी है। अगले हफ्ते भारत और चीन कोर कमांडर स्तर की अगले दौर की वार्ता होने वाली है। उससे ठीक पहले चीन से एक बार फिर अपने नापाक मंसूबे जाहिर कर दिए हैं। चीन सर्दियों में पूर्वी लद्दाख में अपने सैनिकों के लिए विशेष सामान उपलब्ध करा रहा है। चीन ने बताया है कि वो अपनी सेना को नई तकनीक के कपड़े, रहने की जगह और इसके अलावा कई दूसरी सुविधाएं दी हैं। जिससे उन्हें लद्दाख में सर्दियों में रहने में कोई दिक्कत ना हो।इससे पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच चल रहा सैन्य गतिरोध आगामी सर्दियों में भी कम होता नजर नहीं आ रहा है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने अपने सैनिकों को पूर्वी लद्दाख में भयानक सर्दी से निपटने के लिए आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए हैं। चीनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर तैनात हजारों चीनी सैन्य कर्मियों को उन्होंने उच्च तकनीक वाले उपकरण उपलब्ध कराए हैं।